

छत्तीसगढ़ जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त २०२६

प्रमुख शासकीय पहल, तथ्य, आँकड़े
एवं उपलब्धियाँ

जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त 2026

इस संकलन के बारे में

यह एक स्वतंत्र शैक्षणिक संकलन है, जिसे विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, विशेष रूप से CGPSC अभ्यर्थियों, की अध्ययन एवं पुनरावृत्ति आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

इस संकलन की सामग्री को आधिकारिक सरकारी स्रोतों, जिनमें छत्तीसगढ़ जनमन भी शामिल है, में प्रकाशित जानकारी के आधार पर स्वतंत्र रूप से संक्षेपित, व्यवस्थित एवं डिज़ाइन किया गया है।

यह प्रकाशन छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क संचालनालय (DPR) अथवा छत्तीसगढ़ जनमन का आधिकारिक प्रकाशन नहीं है और न ही इनसे संबद्ध, प्रायोजित या अनुमोदित है।

मूल जानकारी को अध्ययन एवं पुनरावृत्ति के उद्देश्य से चयनित, संक्षेपित एवं स्वतंत्र प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है। नवीनतम अधिसूचनाओं, संशोधनों, आँकड़ों एवं आधिकारिक जानकारी के लिए संबंधित सरकारी विभागों एवं आधिकारिक स्रोतों को अवश्य देखें।

© 2026 cgcurrentaffairs.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस संकलन में शामिल मूल सारांश, व्याख्याएँ, विषय-वस्तु का संगठन, तालिकाएँ, ग्राफिक्स, डिज़ाइन एवं लेआउट cgcurrentaffairs.com द्वारा स्वतंत्र रूप से तैयार किए गए हैं।

यह सामग्री व्यक्तिगत एवं शैक्षणिक उपयोग के लिए उपलब्ध है। लागू कानून द्वारा अनुमत उपयोग को छोड़कर, इस संकलन का पुनर्प्रकाशन, व्यावसायिक उपयोग अथवा अन्य वेबसाइटों या प्लेटफॉर्म पर पुनर्वितरण बिना पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकता।

इस संकलन में प्रस्तुत मूल तथ्य, सरकारी जानकारी, योजनाओं का विवरण, आधिकारिक आँकड़े एवं अन्य स्रोत सामग्री को संकलनकर्ता की मौलिक रचना के रूप में दावा नहीं किया गया है। ऐसे स्रोतों पर लागू संबंधित अधिकार एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

© 2026 cgcurrentaffairs.com | स्वतंत्र शैक्षणिक संकलन

जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त 2026

इस संकलन के बारे में.....	2
1. विकसित बस्तर – सेवा, स्वास्थ्य एवं आजीविका.....	5
2. सेवा डेरा.....	5
3. नुआ बाट – पुनर्वास एवं आजीविका.....	9
4. बस्तर रोड कनेक्टिविटी.....	12
5. छत्तीसगढ़ में रेल विकास.....	13
6. कृषि एवं किसान.....	15
7. पर्यटन, संस्कृति एवं पर्यावरण.....	15
8. पंडुम कैफे.....	17
9. छत्तीसगढ़ में AI इकोसिस्टम.....	17
10. छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026.....	18
11. कवर्धा से कबीरधाम.....	20
12. समसामयिक घटनाक्रम – जुलाई 2026.....	21
13. छत्तीसगढ़ को GEM Sustainable Procurement Award.....	23
14. कोशल फैब.....	23
15. 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार.....	24
QUICK REVISION.....	24

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

© 2026 cgcurrentaffairs.com | स्वतंत्र शैक्षणिक संकलन

1. विकसित बस्तर – सेवा, स्वास्थ्य एवं आजीविका

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान

- 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उनकी हेल्थ प्रोफाइल तैयार की गई।
- बस्तर के 85% परिवारों की मासिक आय ₹15,000 से कम होने की चुनौती से निपटने के लिए लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से ₹4,824 करोड़ की आजीविका उन्नयन योजना तैयार की गई।

2. सेवा डेरा

शुभारंभ

- पहला 'सेवा डेरा' बस्तर के नेतानार से शुरू हुआ।
- 18 मई 2026 को नेतानार में शहीद वीर गुण्डाधूर सेवा डेरा जन सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया।
- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, गृहमंत्री विजय शर्मा तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप उपस्थित थे।
- नेतानार शहीद वीर गुण्डाधूर की जन्मभूमि है।

सेवा डेरा की मुख्य अवधारणा

- सेवा डेरा का उद्देश्य विभिन्न सरकारी सेवाओं को एक स्थान पर उपलब्ध कराना है।
- यहां Common Service Centre के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की 371 योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की परिकल्पना है।
- बैंकिंग, आधार, राशन कार्ड आदि सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।
- इसे वन-स्टॉप ग्रामीण गवर्नेंस सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

सुरक्षा शिविर से सेवा केंद्र रूपांतरण



सुरक्षा शिविर से सेवा केंद्र

- बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगभग **200** सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए थे।
- प्रथम चरण में लगभग **70** सुरक्षा शिविरों को 'वीर शहीद गुण्डाधूर सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- इन केंद्रों को लगभग डेढ़ वर्ष में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।
- प्राथमिकता वाले क्षेत्र:
 - बैंकिंग
 - आधार
 - राशन
 - स्वास्थ्य
 - कृषि
 - कौशल
 - सरकारी योजनाएं

जुलाई-अगस्त 2026

सेवा डेरा – प्रमुख सेवाएं

क्षेत्र	प्रमुख सुविधा
डिजिटल सेवाएं	आधार, प्रमाण-पत्र एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं
बैंकिंग	सरकारी योजनाओं की राशि, पेंशन एवं वित्तीय सेवाएं
खाद्य सुरक्षा	राशन कार्ड एवं PDS संबंधी सेवाएं
स्वास्थ्य	दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच
कृषि	कृषि विभाग की सलाह एवं बेहतर कृषि पद्धतियों का मार्गदर्शन
आजीविका	PACS, डेयरी, वनोपज एवं कृषि
युवा	कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण
महिला सशक्तीकरण	SHG, डेयरी एवं स्थानीय आजीविका
मुख्य लक्ष्य	योजनाओं का 100% सैचुरेशन

सेवा डेरा और स्थानीय अर्थव्यवस्था

- सेवा डेरा को केवल सरकारी योजनाओं का केंद्र न रखकर स्थानीय आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।
- PACS और डेयरी गतिविधियों को जोड़ने की योजना।
- दूध संग्रहण के माध्यम से स्थानीय पशुपालकों को बाजार से जोड़ने का प्रयास।
- बस्तर में सहकारी डेयरी नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य।

सैचुरेशन का अर्थ

सेवा डेरा मॉडल में सैचुरेशन का अर्थ है कि पात्र व्यक्ति तक संबंधित योजना का वास्तविक लाभ पहुंचे।

- पात्र परिवार को राशन मिले।
- पात्र बुजुर्ग को पेंशन मिले।
- पात्र परिवार का आयुष्मान कार्ड बने।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जुलाई-अगस्त 2026

- पात्र किसान को कृषि योजना का लाभ मिले।
- पात्र युवक को कौशल प्रशिक्षण मिले।

लक्ष्य: 371 केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज।

सेवा डेरा – एक नजर में

पहलू	विवरण
मूल आधार	पूर्व सुरक्षा शिविरों का जनसेवा केंद्रों में रूपांतरण
प्रथम केंद्र	नेतानार, बस्तर
नाम	शहीद वीर गुण्डाधूर सेवा डेरा
प्रथम चरण	लगभग 70 सुरक्षा शिविर
व्यापक लक्ष्य	लगभग 200 सुरक्षा शिविरों का चरणबद्ध रूपांतरण
सरकारी सेवाएं	केंद्र एवं राज्य की 371 योजनाएं
डिजिटल सेवाएं	CSC, आधार सहित विभिन्न सेवाएं
वित्तीय समावेशन	बैंकिंग सुविधा
खाद्य सुरक्षा	राशन कार्ड एवं संबंधित सेवाएं
स्वास्थ्य	स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं
कृषि	कृषि विभाग की सलाह एवं सहायता
आजीविका	डेयरी, PACS, वनोपज, कृषि
युवा	कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण
महिला सशक्तीकरण	SHG, डेयरी एवं स्थानीय आजीविका
मूल लक्ष्य	योजनाओं का 100% सैचुरेशन

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

बस्तर विकास दृष्टि

- विकास की रणनीति में क्रम: सुरक्षा → विश्वास → विकास → समृद्धि।
- बस्तर को 2031 तक विकसित क्षेत्र के रूप में देखने और लोगों की आय बढ़ाने का लक्ष्य।
- सेवा डेरा को विकास की अंतिम पहुंच अर्थात गांव स्तर तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने की कड़ी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

3. नुआ बाट – पुनर्वास एवं आजीविका

नुआ बाट का अर्थ

- 'नुआ बाट' का अर्थ – नया रास्ता।
- यह आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों, नक्सल हिंसा से प्रभावित युवाओं तथा पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल है।
- उद्देश्य:
 - सम्मानजनक जीवन
 - कौशल
 - रोजगार
 - आत्मनिर्भरता

नुआ बाट कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है?

सम्मानजनक जीवन

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और प्रभावित युवाओं को सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करना।

कौशल विकास

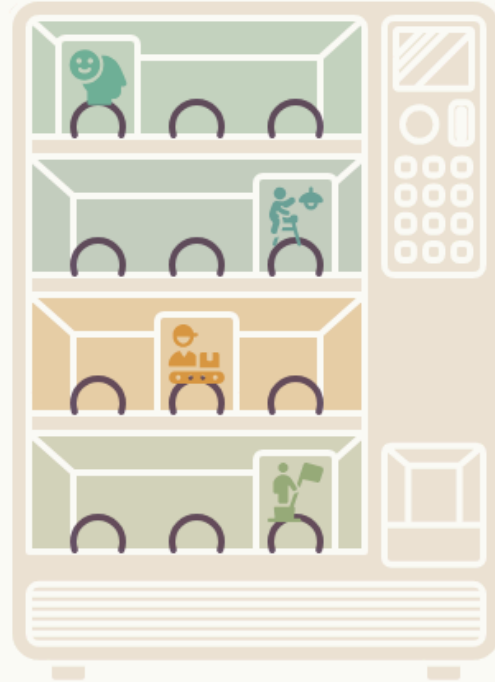
पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजर रहे लोगों को कौशल प्रदान करना।

रोजगार सृजन

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना।

आत्मनिर्भरता

व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बनाना।



नुआ बाट पुनर्वास केंद्र

- स्थान: आड़ावाल, जगदलपुर
- यहां जिला परियोजना आजीविका महाविद्यालय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- प्रशिक्षण में:
 - वेल्डिंग
 - होटल मैनेजमेंट
 - टूरिस्ट गाइड
 - अन्य तकनीकी कौशल
- उद्देश्य पुनर्वास को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रखकर कौशल एवं आजीविका से जोड़ना है।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

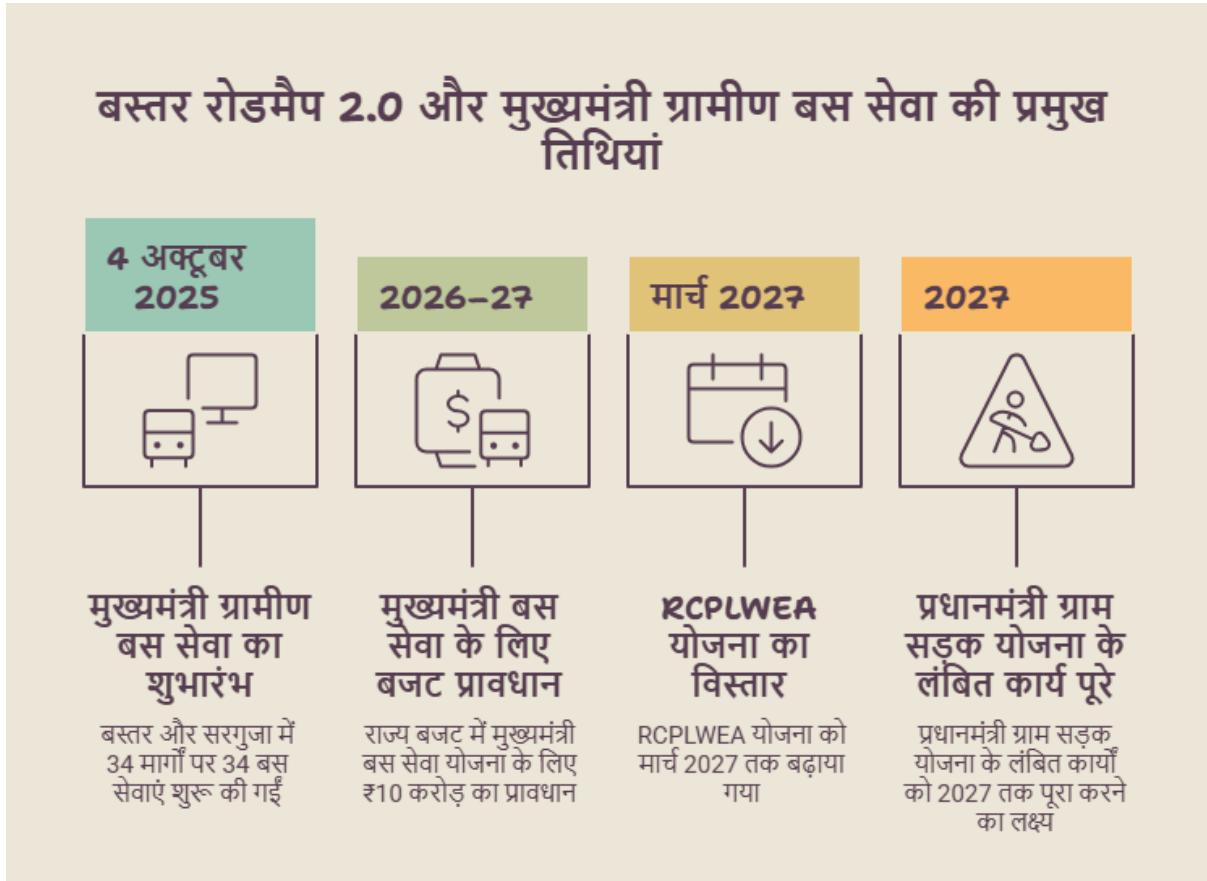
नुआ बाट और बस्तर ओलंपिक

- 2025 के संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक में आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए 'नुआ बाट' विशेष टीम बनाई गई।
- आयोजन में लगभग 3,500 खिलाड़ी शामिल हुए।
- 'नुआ बाट' श्रेणी में 700 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी की रिपोर्ट दी गई।

कौशल प्रशिक्षण

- 15 जुलाई को आजीविका महाविद्यालय में:
 - असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन
 - जल वितरण संचालकप्रशिक्षण बैच के युवाओं से संवाद किया गया।
- जल वितरण संचालक प्रशिक्षण को जल जीवन मिशन से जोड़ने पर जोर दिया गया।
- रोजगार मेले के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास।

4. बस्तर रोड कनेक्टिविटी



बस्तर रोडमैप 2.0

- 228 नई सड़कों के प्रस्ताव।
- 267 पुलों के प्रस्ताव।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित कार्यों को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य।
- RCPLWEA योजना को मार्च 2027 तक विस्तार दिया गया।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा

- बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से शुरुआत।
- 4 अक्टूबर 2025 को प्रथम चरण शुरू।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जुलाई-अगस्त 2026

- 34 मार्गों पर 34 बस सेवाएं शुरू की गईं।
- लगभग 250 गांवों को नियमित बस सेवा से जोड़ा गया।
- 2026-27 के राज्य बजट में मुख्यमंत्री बस सेवा योजना के लिए ₹10 करोड़ का प्रावधान।

5. छत्तीसगढ़ में रेल विकास

रेल परियोजनाओं का परिदृश्य

रेल परियोजनाओं का परिदृश्य (अप्रैल 2025)							
विवरण	कुल रेल परियोजनाएं	कुल लंबाई	कुल लागत	नई रेल लाइन	दोहरीकरण परियोजनाएं	कमिशन की गई लंबाई	मार्च 2025 तक खर्च
आंकड़े	26	1,931 किमी	₹31,619 करोड़	6	20	1,023 किमी	₹16,325 करोड़

अप्रैल 2025 की स्थिति:

- कुल रेल परियोजनाएं: 26
- कुल लंबाई: 1,931 किमी
- कुल लागत: ₹31,619 करोड़
- नई रेल लाइन: 6
- दोहरीकरण परियोजनाएं: 20
- कमिशन की गई लंबाई: 1,023 किमी
- मार्च 2025 तक खर्च: ₹16,325 करोड़।

हाल ही में पूरी हुई रेल परियोजनाएं

परियोजना	लंबाई	लागत
दुर्ग-राजनांदगांव दोहरीकरण	31 किमी	₹250 करोड़
रायपुर-टिटलागढ़ दोहरीकरण	203 किमी	₹1,171 करोड़

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त 2026

बिलासपुर-उरकुरा तीसरी लाइन	110 किमी	₹365 करोड़
खरसिया-कारीछापर नई लाइन	43 किमी	₹851 करोड़
सलका रोड-खोंगसरा	26 किमी	₹181 करोड़
बिलासपुर-खोंडरी-अनूपपुर	72 किमी	₹792 करोड़
चांपा-झारसुगुड़ा तीसरी लाइन	152 किमी	₹1,227 करोड़
पेंड्रा रोड-अनूपपुर तीसरी लाइन	50 किमी	₹394 करोड़

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई रेल परियोजनाएं

परियोजना	लंबाई	लागत
दल्लीराजहरा-रावघाट नई लाइन	95 किमी	₹1,627 करोड़
रावघाट-जगदलपुर नई लाइन	140 किमी	₹3,513 करोड़
खरसिया-धरमजयगढ़ नई लाइन	122 किमी	₹3,438 करोड़
गेवरारोड-पेंड्रा रोड नई लाइन	135 किमी	₹3,724 करोड़
धरमजयगढ़-कोरबा नई लाइन	63 किमी	₹1,686 करोड़
सरडेगा-भालुमुंडा नई लाइन	37 किमी	₹1,282 करोड़
किरंदुल-जगदलपुर दोहरीकरण	150 किमी	₹1,500 करोड़
जगदलपुर-कोरापुट दोहरीकरण	107 किमी	₹1,547 करोड़
झारसुगुड़ा-बिलासपुर चौथी लाइन	206 किमी	₹2,596 करोड़
राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन	228 किमी	₹3,545 करोड़
बोरीडांड-अनपकमुर दोहरीकरण	80 किमी	₹1,243 करोड़

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

राजनांदगांव-डोंगरगढ़ चौथी लाइन	31 किमी	₹328 करोड़
भाटापारा-हथबंद नई लाइन	16 किमी	₹177 करोड़
खरसिया-परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन	278 किमी	₹7,854 करोड़

6. कृषि एवं किसान

- किसानों को **₹15,000** की आदान सहायता।
- कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए **₹11,000** करोड़ से अधिक की सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी।
- सिकासार-कोडार नहर लिंकिंग परियोजना: ₹3,047 करोड़।
- अटल सिंचाई योजना के तहत बंद परियोजनाओं का पुनरुद्धार।
- इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित बैराजों से **32,000** हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद।
- तैदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक: **₹5,500** प्रति मानक बोरा।
- चरण पादुका योजना फिर शुरू की गई।

7. पर्यटन, संस्कृति एवं पर्यावरण

मुख्यमंत्री पर्यटन मिशन

- बस्तर और सरगुजा में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की योजना।
- बस्तर पंडुम, बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से जनजातीय संस्कृति एवं प्रतिभाओं को पहचान।
- चित्रकोट को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास।
- टेंट सिटी बनाने की योजना।
- सिरपुर को विश्व धरोहर मानकों के अनुरूप विकसित करने का प्रयास।
- पद्मविभूषण स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई की स्मृति में लोककला अलंकरण।
- छत्तीसगढ़ी सिनेमा के लिए चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना।
- आरंग के रीवां में लगभग **2,750** वर्ष पुरानी मानव बस्ती की खोज का उल्लेख।
- 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत **7** करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाने की जानकारी।
- रामलला अयोध्या धाम दर्शन तथा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से तीर्थ यात्राओं का उल्लेख।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त 2026

पर्यटन, संस्कृति एवं पर्यावरण पहल

पहल	विवरण
 मुख्यमंत्री पर्यटन मिशन	बस्तर और सरगुजा में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार
 सांस्कृतिक कार्यक्रम	बस्तर पंडुम, बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक
 चित्रकोट	वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकास
 टेंट सिटी	टेंट सिटी बनाने की योजना
 सिरपुर	विश्व धरोहर मानकों के अनुरूप विकास
 लोककला अलंकरण	डॉ. तीजन बाई की स्मृति में
 चित्रोत्पला फिल्म सिटी	छत्तीसगढ़ी सिनेमा के लिए स्थापना
 रीवां, आरंग	2,750 वर्ष पुरानी मानव बस्ती की खोज
 एक पेड़ माँ के नाम	7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए
 तीर्थ दर्शन योजना	रामलला अयोध्या धाम और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

© 2026 cgcurrentaffairs.com | स्वतंत्र शैक्षणिक संकलन

8. पंडुम कैफे

- जगदलपुर में पंडुम कैफे नवंबर 2025 में शुरू हुआ।
- यहां नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के सदस्य तथा आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे पूर्व माओवादी कार्यरत हैं।
- 14 स्थानीय लोगों को रोजगार मिला, जिनमें 5 आत्मसमर्पित माओवादी हैं।
- 'पंडुम' गोंडी भाषा का शब्द है, जिसका संबंध उत्सव एवं सामुदायिक जीवन से है।
- परिसर की दीवारों पर बस्तर के 12 पंडुम और स्थानीय परंपराओं को दर्शाया गया है।
- फरवरी 2026 में 'बस्तर पंडुम' के राष्ट्रीय आयोजन के दौरान बस्तर की संस्कृति, खान-पान एवं परंपराओं को व्यापक मंच मिला।

9. छत्तीसगढ़ में AI इकोसिस्टम

AI के पाँच प्रमुख स्तंभ

1. AI कौशल विकास
 2. नवाचार एवं स्टार्टअप
 3. जागरूकता एवं आउटरीच
 4. सुरक्षित एवं जिम्मेदार AI
 5. शासन में AI का उपयोग
- 1 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक हुई।
 - समीक्षा में:
 - AI विकास एवं विस्तार
 - मोबाइल नेटवर्क
 - इंटरनेट कनेक्टिविटी
 - सेवा सेतु
 - ई-प्रगति पारस
 - सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
 - डेटा लैब्स
 - डिजिटल नवाचार परियोजनाएं शामिल थीं।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

AI एवं IT से जुड़े प्रयास

- IT पार्कों का विस्तार।
- नए टेक्नोलॉजी हब।
- स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन।
- ई-गवर्नेंस के लिए डिजिटल सेवाओं का विस्तार।
- युवाओं के लिए AI, डेटा एनालिटिक्स एवं साइबर सिक्योरिटी आधारित प्रशिक्षण।

शिक्षा में AI

- स्कूलों में:
 - AI जागरूकता कार्यक्रम
 - AI एवं रोबोटिक्स क्लब
 - हैकार्थॉन
- महाविद्यालयों में **AI Certification**।
- छात्र परियोजनाओं के लिए अनुदान।
- ITI में AI लैब।
- विश्वविद्यालयों में **Centre of Excellence**।
- AI Data Labs, AI आधारित स्टार्टअप, डेटा सेट एवं अनुसंधान परियोजनाओं को प्रोत्साहन।
- Cloud Computing, Seed Funding तथा उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से AI स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने की योजना।

10. छत्तीसगढ़ ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026

प्रमुख तथ्य

- छत्तीसगढ़ विधानसभा ने जुलाई 2026 में 'ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026' पारित किया।
- इसमें जोखिम आधारित (**Risk-Based**) एवं विश्वास आधारित (**Trust-Based**) बिजनेस परमिशन सिस्टम का प्रावधान है।
- इसे देश का पहला ऐसा कानून बताया गया है।
- पहले से **Single Window System 2.0** लागू होने का उल्लेख।
- राज्य शासन के 8 विभागों की 43 सेवाओं को जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली के दायरे में शामिल किया गया है।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जुलाई-अगस्त 2026

विधेयक का उद्देश्य

- उद्योग एवं कारोबार की स्थापना और संचालन की प्रक्रियाओं को सरल बनाना।
- अनावश्यक अनुपालनों को कम करना।
- विशेष रूप से **MSME** के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल वातावरण तैयार करना।

जोखिम आधारित प्रणाली

- उद्योगों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का आकार एवं गतिविधियों के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकरण।
- कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी।
- अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं समयबद्ध स्वीकृति पहले की तरह जारी।

Self-Certification एवं Auto Approval

- कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर:
 - Self-Certification
 - लाइसेंसधारी अभियंता/आर्किटेक्ट/अधिकृत पेशेवर का प्रमाणन
- हर वर्ष लाइसेंस/अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रावधान।
- निर्धारित समय सीमा में विभाग द्वारा निर्णय न लेने पर पात्र मामलों में **Auto Approval**।
- अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं भौतिक निरीक्षण जारी।

MSME

- छत्तीसगढ़ में 15 लाख से अधिक **MSMEs** को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना।
- सरल नियमों, Self-Certification और समयबद्ध सेवाओं से कारोबार शुरू करने एवं संचालित करने में समय और लागत कम करने का लक्ष्य।

Triple Layer Monitoring

- विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था।
- राज्य स्तर: मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति।
- जिला स्तर: कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति।
- दोनों समितियां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद के मार्गदर्शन में कार्य करेंगी।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

अन्य राज्यों की व्यवस्था

राज्य	Highlighted व्यवस्था
महाराष्ट्र	Single Window System
गुजरात	Investor Helpdesk एवं शिकायत निवारण
तमिलनाडु	MSME नीति, वित्तीय प्रोत्साहन, सब्सिडी एवं कर छूट
छत्तीसगढ़	Risk-Based Permission, Trust-Based व्यवस्था एवं Auto Approval

11. कवर्धा से कबीरधाम

प्रशासनिक इतिहास

वर्ष/अवधि	स्थिति
लगभग 1895	कवर्धा, मंडला जिले का हिस्सा
1903-1911	बिलासपुर जिले में
1912-1948	रायपुर जिले से जुड़ा
1948	दुर्ग जिले का हिस्सा
1973	राजनांदगांव जिले में शामिल
1 जनवरी 1948	अंतिम शासक लाल धर्मराज सिंह ने भारतीय संघ में विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए
2 जुलाई 1998	कवर्धा तहसील एवं पंडरिया तहसील को मिलाकर नया जिला बनाने का निर्णय
6 जुलाई 1998	नया कवर्धा जिला अस्तित्व में आया

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

10 मार्च 2003	कवर्धा जिले का नाम बदलकर कबीरधाम किया गया
---------------	---

कबीरधाम नाम

- क्षेत्र की पहचान संत कबीर और उनके शिष्य धर्मदास के वंशजों द्वारा स्थापित गद्दी की परंपरा से जुड़ी है।
- 1806:** कबीरपंथ के आठवें गुरु हक नाम साहेब ने कवर्धा में गुरु गद्दी स्थापित की।
- बाद में गुरु गद्दी दमाखेड़ा स्थानांतरित हुई।
- 10 मार्च 2003:** छत्तीसगढ़ शासन ने कवर्धा जिले का नाम कबीरधाम किया।

12. समसामयिक घटनाक्रम – जुलाई 2026

प्रहलाद जोशी – नए शिक्षा मंत्री

- जुलाई 2026: भारत सरकार ने प्रहलाद जोशी को नया शिक्षा मंत्री नियुक्त किया।
- विशेष टास्क फोर्स बनाने की घोषणा।
- प्रमुख क्षेत्र:
 - पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण
 - प्रतियोगी परीक्षाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाना
 - डिजिटल शिक्षा
- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कक्षाओं एवं स्मार्ट स्कूलों को प्राथमिकता का उल्लेख।

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता

- जुलाई 2026: भारत और ब्रिटेन के बीच CETA (Comprehensive Economic and Trade Agreement) लागू हुआ।
- कई वस्तुओं पर शुल्क में कमी।
- भारतीय उद्योगों के लिए ब्रिटेन के बाजार में अवसर।
- सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों का उल्लेख।

INS महेन्द्रगिरि

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जुलाई-अगस्त 2026

- जुलाई 2026: भारतीय नौसेना में INS महेन्द्रगिरि शामिल किया गया।
- स्थान: विशाखापट्टनम
- यह एक अत्याधुनिक **Stealth Frigate** है।
- आधुनिक रडार, मिसाइल प्रणाली एवं युद्धक तकनीक से युक्त।
- निर्माण में स्वदेशी तकनीक का उपयोग।
- इसी श्रृंखला के जहाज:
 - INS नीलगिरि — जनवरी 2025
 - INS उदयगिरि — अगस्त 2025
 - INS हिमगिरि — अगस्त 2025
 - INS तारागिरि — अप्रैल 2026
 - INS दुनागिरि — जून 2026

भारत की पहली प्रत्यक्ष वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी नेपाल पहुंची

- जुलाई 2026: भारत की पहली प्रत्यक्ष वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी नेपाल के बिराटनगर पहुंची।
- ट्रेन में 40 वैगन थे।
- माल: कैनोला।
- संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल के तहत संचालन।
- कोलकाता बंदरगाह से सीधे बिराटनगर तक कंटेनर मालगाड़ी।

FIFA पुरुष विश्व कप 2026

- 23वां संस्करण।
- मेजबान: अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको।
- तीन देशों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पहला विश्व कप।
- आधिकारिक शुभंकर:
 - मैपल — कनाडा
 - जायु — मेक्सिको
 - क्लच — अमेरिका
- आधिकारिक मैच बॉल: Adidas Trionda
- फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता।

भारत का 21वां नामित भंडारगृह

- जुलाई 2026: मिजोरम का **Natural History Museum** भारत का 21वां नामित भंडारगृह घोषित।
- जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत अधिसूचना।
- संग्रहालय की स्थापना 2022 में मिजोरम विश्वविद्यालय के अंतर्गत हुई।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

- यह इंडो-बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट में स्थित है।
- संग्रह में प्टेरिडोफाइट्स, मैक्रोफंगी, सरीसृप, उभयचर, मछलियां, पतंगे, भृंग एवं तितलियों के नमूने शामिल।

समुद्र मंथन योजना

- **31 जुलाई 2026:** भारत सरकार ने “समुद्र मंथन – राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना” को मंजूरी दी।
- यह एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
- कार्यान्वयन: पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय।
- बजट: ₹84,084 करोड़।
- अवधि: वित्तीय वर्ष 2030–31 तक।
- प्रमुख कार्य:
 - बड़े पैमाने पर भूकंपीय डेटा संग्रहण
 - Deepwater एवं Ultra-deepwater drilling
 - अपतटीय अवसंरचना विकास

13. छत्तीसगढ़ को GEM Sustainable Procurement Award

- छत्तीसगढ़ को Government e-Marketplace के 10वें स्थापना दिवस समारोह में **GEM Sustainable Procurement Award** मिला।
- श्रेणी: **Premier Awards – State Government Felicitation**
- पुरस्कार GEM के प्रभावी उपयोग तथा शासकीय खरीद में वृद्धि के लिए दिया गया।
- वित्तीय वर्ष 2025–26 में GEM के माध्यम से छत्तीसगढ़ की शासकीय खरीद: ₹3,935 करोड़।
- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 113% वृद्धि।

14. कोशल फैब

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ के प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड ‘कोशल फैब’ का शुभारंभ किया।
- लोगो एवं कैटलॉग का विमोचन।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जुलाई-अगस्त 2026

- हथकरघा इन्वेंट्री मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का भी शुभारंभ।
- कार्यक्रम: पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर।
- बस्तर की आत्मसमर्पित नक्सली महिलाओं ने स्वदेशी फैशन शो में कोसा सिल्क एवं अन्य हैंडलूम परिधानों का प्रदर्शन किया।

15. 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

- जुलाई 2026 में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार घोषित।
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म: आर्टिकल 370
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता:
 - ममूटी — ब्रम्हायुगम
 - कार्तिक आर्यन — चंदू चैंपियन
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री: यामी गौतम — आर्टिकल 370
- सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म: भंगार
 - निर्देशक: सुमीरा राय
- सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म: हमसफर (मराठी)

QUICK REVISION

महत्वपूर्ण तिथियां

- 18 मई 2026 — नेतानार में शहीद वीर गुण्डाधूर सेवा डेरा का शुभारंभ
- 4 अक्टूबर 2025 — मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा का प्रथम चरण
- 15 जुलाई — आजीविका महाविद्यालय में प्रशिक्षण बैच के युवाओं से संवाद
- 1 जुलाई 2026 — AI एवं IT विभाग की समीक्षा बैठक
- 10 मार्च 2003 — कवर्धा जिले का नाम कबीरधाम किया गया
- 1 जनवरी 1948 — लाल धर्मराज सिंह द्वारा भारतीय संघ में विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर
- 2 जुलाई 1998 — नया कवर्धा जिला बनाने का निर्णय
- 6 जुलाई 1998 — नया कवर्धा जिला अस्तित्व में आया
- 31 जुलाई 2026 — समुद्र मंथन योजना को मंजूरी

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

जनमन हाइलाइट्स

जुलाई-अगस्त 2026

महत्वपूर्ण स्थान

- नेतानार — पहला सेवा डेरा; वीर गुण्डाधूर की जन्मभूमि
- आड़ावाल, जगदलपुर — नुआ बाट पुनर्वास केंद्र
- चित्रकोट — पर्यटन विकास
- सिरपुर — विश्व धरोहर मानकों के अनुरूप विकास
- रीवां, आरंग — लगभग 2,750 वर्ष पुरानी मानव बस्ती
- कवर्धा/कबीरधाम — प्रशासनिक एवं कबीरपंथ इतिहास
- विशाखापट्टनम — INS महेन्द्रगिरि
- बिराटनगर, नेपाल — भारत की पहली प्रत्यक्ष वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी
- मिजोरम — 21वां नामित भंडारगृह

परीक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण One-Liners

1. पहला सेवा डेरा — नेतानार, बस्तर।
2. सेवा डेरा से जुड़ी योजनाएं — 371।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

3. प्रथम चरण में सेवा डेरा — लगभग 70 सुरक्षा शिविर।
4. व्यापक लक्ष्य — लगभग 200 सुरक्षा शिविरों का चरणबद्ध रूपांतरण।
5. नुआ बाट का अर्थ — नया रास्ता।
6. नुआ बाट पुनर्वास केंद्र — आड़ावाल, जगदलपुर।
7. बस्तर रोडमैप 2.0 — 228 सड़कें और 267 पुल प्रस्तावित।
8. मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा का प्रथम चरण — 4 अक्टूबर 2025।
9. छत्तीसगढ़ की रेल परियोजनाएं — 26; कुल लंबाई 1,931 किमी।
10. सिकासार-कोडार नहर लिंकिंग — ₹3,047 करोड़।
11. तैदूपत्ता पारिश्रमिक — ₹5,500 प्रति मानक बोरा।
12. पंडुम कैफे — जगदलपुर; नवंबर 2025 में शुरू।
13. AI के पांच स्तंभ — कौशल, नवाचार/स्टार्टअप, जागरूकता/आउटरीच, सुरक्षित एवं जिम्मेदार AI, शासन में AI।
14. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक — 2026।
15. Risk-Based + Trust-Based Business Permission System — छत्तीसगढ़।
16. जोखिम आधारित प्रणाली के अंतर्गत — 8 विभागों की 43 सेवाएं।
17. MSME — 15 लाख से अधिक।
18. कवर्धा का नाम कबीरधाम — 10 मार्च 2003।
19. भारत का 21वां नामित भंडारगृह — मिजोरम का Natural History Museum।
20. समुद्र मंथन योजना — ₹84,084 करोड़; मंजूरी 31 जुलाई 2026।
21. GEM Sustainable Procurement Award — छत्तीसगढ़।
22. 2025-26 GEM खरीद — ₹3,935 करोड़।
23. कौशल फैब — छत्तीसगढ़ का प्रीमियम हैंडलूम ब्रांड।
24. 72वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार — जुलाई 2026 में घोषित।

स्रोत: छत्तीसगढ़ जनमन — जुलाई-अगस्त 2026, जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।

स्रोत एवं संदर्भ

- छत्तीसगढ़ जनमन — जनसंपर्क संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन।
- छत्तीसगढ़ शासन के आधिकारिक प्रकाशन एवं दस्तावेज।
- संबंधित शासकीय विभागों की आधिकारिक वेबसाइटें, अधिसूचनाएँ, रिपोर्ट एवं प्रेस विज्ञप्तियाँ, जहाँ आवश्यकतानुसार संदर्भ लिया गया है।

इस संकलन में उपलब्ध जानकारी को शैक्षणिक एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से चयनित, संक्षेपित एवं पुनः व्यवस्थित किया गया है।

नवीनतम अधिसूचनाओं, संशोधनों, आँकड़ों एवं आधिकारिक जानकारी के लिए संबंधित शासकीय विभागों एवं आधिकारिक स्रोतों को देखें।

सीखते रहें। दोहराते रहें। आगे बढ़ते रहें।

आपकी CGPSC तैयारी यहीं खत्म नहीं होती।

CGPSC एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अधिक अध्ययन सामग्री, समसामयिकी, महत्वपूर्ण तथ्य, शासकीय योजनाएँ एवं रिवीजन संसाधनों के लिए हमारी वेबसाइट से जुड़े रहें।

और अधिक अध्ययन सामग्री के लिए: cgcurrentaffairs.com

हमसे जुड़ें

Instagram: [@cg_current_affairs_dot_com](https://www.instagram.com/cg_current_affairs_dot_com)

YouTube: [@cgcurrentaffairsdotcom](https://www.youtube.com/cgcurrentaffairsdotcom)

Telegram: [@cgcurrentaffairsdotcom](https://www.telegram.com/cgcurrentaffairsdotcom)

नई अध्ययन सामग्री • समसामयिकी • परीक्षा अपडेट • रिवीजन सामग्री